दानी मेरे श्याम जैसा | By Nand Kishore Sharma |

दानी मेरे श्याम जैसा, दानी नहीं पाओगे
दानी मेरे श्याम जैसा, दानी नहीं पाओगे
दानी मेरे श्याम जैसा, दानी नहीं पाओगे
दानी मेरे श्याम जैसा, दानी नहीं पाओगे
जानते हैं, घट घट की, इनसे क्या छुपाओगे

इंसान तो इंसान है, देवता नहीं होता
सुख में तो हर्ष आता, दुख में है वो रोता

गम गम की गहरी धूप से,
बच पाना आसान नहीं होता।
सुनसान अनजानी राह पे,
कौन परेशान नहीं होता।
सूखे हुए पेड़ पर,
कोई पंछी बैठे तो कैसे,
आशियाना उसका वहाँ महफूज़ नहीं होता।

इंसान तो इंसान है, देवता नहीं होता
धीरज अगर ना रहे तो धर्म क्या निभाओगे

कैसी शरम इनसे देव बड़े न्यारे हैं
दीनों के साथी हैं हारे के सहारे हैं

रेत मुट्ठी में बंद नहीं होती,
ओस की बूंदों से कभी तृप्ति नहीं होती।
बेमुरव्वत दुनिया से आसरा क्या मांगे,
बिन माझी की नाव भँवर से पार नहीं होती।

कैसी शरम इनसे देव बड़े न्यारे हैं
ले ले शरण इनकी मौज तुम उड़ाओगे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a4%be-by-nand-kishore-sharma/